# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| The Tribune | 16.07.2020 | 02 | 07-08 |

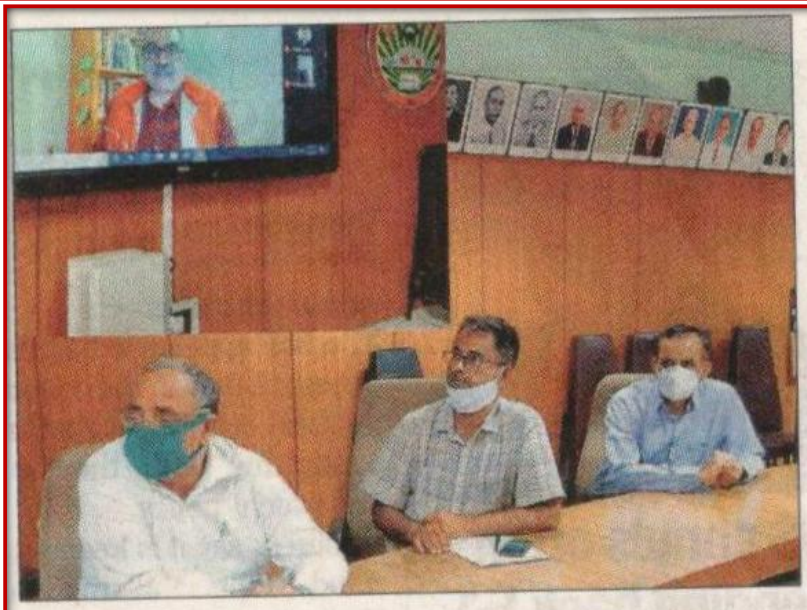

## WEBINAR ON RESEARCHERS' FUNDING

**Hisar:** The Directorate of Research, Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University, organised an international webinar on "International funding for young researchers-an opportunity". More than 150 scientists and students participated in the webinar from across the country. Chief orator SK Sehrawat, research director, stressed that sources were drying up and we need to explore the international funding. International scientist Rajesh Jalota, senior environment officer, Department of Environment and Science based at Queensland, Australia, highlighted the various problems being faced by the researchers in the current scenario of climate change and other factors. He presented a lot of funding opportunities offered by various agencies from Australia, Europe and the US, etc.

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 16.07.2020 | 01 | 06-08 |

उपलब्धि : गेहूं और मक्का के क्षेत्र में सुधार कर 30 से अधिक इंटरनेशनल अवॉर्ड ले चुके हैं करनाल की महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर विवि के वीसी डॉ. समर सिंह

# एचएयू में स्टूडेंट्स रहे डॉ. समर सिंह अब संभालेंगे वीसी का अतिरिक्त कार्यभार

भास्कर न्यूज | हिसार

### 1989 में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुए थे नियुक्त

आखिरकार बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की चंडीगढ़ में हुई मीटिंग में एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह का एक्सटेंशन नहीं बढ़ाया गया। करनाल के अंजनथली स्थित महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डॉ. समर सिंह को एचएयू के कुलपति का अतिरिक्त चार्ज दिया गया।

एचएयू के नए कुलपति डॉ. समर सिंह।

डॉ. समर सिंह अब तक 30 से अधिक इंटरनेशनल अवॉर्ड पा चुके हैं। करनाल के प्रेम खेड़ा गांव के डॉ. समर सिंह ने प्राइमरी शिक्षा करनाल में ही ग्रहण की। इसके बाद बीएससी, एमएससी एग्रीकल्चर और पीएचडी हिसार एचएयू से की। अब इसी विवि में वह कुलपति के पद का अतिरिक्त चार्ज संभालेंगे। भास्कर ने नए कुलपति डॉ. समर सिंह से बात की। *उन्होंने सवालों के कुछ यूं जवाब दिए...*

**Q. आपकी तैनाती कब कब और कहां रही?**

A. कुरुक्षेत्र में वर्ष 1989 में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर ज्वॉइन किया। इसके बाद 1989 में करनाल के लिए ट्रांसफर हो गया। वर्ष 2002 तक यहीं पर तैनात रहे। वर्ष 2004 में एचएयू के करनाल के रीजन सेंटर में प्रोफेसर तथा इसके बाद यहीं के रीजनल डायरेक्टर बन गए। इसके बाद वर्ष 2015 में करनाल के ही कृषि विभाग केंद्र का चार्ज मिल गया। वर्ष 2017 से करनाल की महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी के कुलपति के पद पर तैनात हूं।

**Q. आपने इंटरनेशनल वर्ल्ड आर्गेनाइजेशन से जुड़कर विदेशों में भी काम किया। अनुभव कैसा रहा?**

A. वर्ष 2002 में मैं इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन से जुड़ गया। दिल्ली में पोस्टिंग रही। मक्का और गेहूं सुधार के क्षेत्र में दिल्ली के साथ-साथ साउथ एशिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, चाइना, नीदरलैंड, आस्ट्रेलिया में काम किया। विदेशों में भी 30 से अधिक इंटरनेशनल अवॉर्ड अब तक मिल चुके हैं।

**Q. रिसर्च के क्षेत्र में कोई आपकी कोई बड़ी उपलब्धि?**

A. करनाल में तैनाती के दौरान प्राकृतिक संसाधान संरक्षण पर काफी कार्य किया। पानी और वातारण को कैसे बचाया जा सकता है। इस पर काफी काम किया गया।

**Q. अब आपको एचएयू के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है, प्राथमिकता में क्या रहेगा?**

A. प्रयास रहेगा कि विवि के छात्रों को विदेशों की तर्ज पर ही पढ़ाई और ट्रेनिंग उपलब्ध कराई जाए। साथ ही विदेशों से अत्याधुनिक तकनीक को लाया जाएगा। ताकि छात्र विवि से निकलकर खुद का रोजगार स्थापित कर सके, साइंटिस्ट को भी अच्छी तकनीक अपनाने के प्रति ट्रेंड किया जाएगा।

**Q. एचएयू में किसानों के लिए कोई नई तकनीक लाने का प्रयास रहेगा?**

A. बिना मिट्टी के सब्जी और पौधों की नर्सरी तैयार कराई जाएगी। ताकि किसान भी तकनीक के बारे में जानकारी खुद की आमदनी बढ़ा सके।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 16.07.2020 | 02 | 05-07 |

# कोरोना संकट के चलते एचएयू सफाई कर्मचारी यूनियन का चुनाव टाला गया

## सर्वसम्मति से लिया निर्णय, वर्तमान कार्यकारिणी 6 माह तक संभालेगी कार्यकाल

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सफाई कर्मचारी यूनियन हिसार की बैठक प्रधान सुरेंद्र कांगड़ा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कोरोना संकट के चलते एचएयू के सफाई कर्मचारी यूनियन का चुनाव नहीं करने का निर्णय लिया गया। यूनियन के महासचिव छतरपाल अठवाल ने बताया कि वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल गत 16 मई को समाप्त हो गया था। कार्यकारिणी उस समय चुनाव के पक्ष में थी और आज भी चुनाव के पक्ष में है परंतु डॉ. के.पी. सिंह कुलपति हकृवि व सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुरेंद्र मान ने वर्तमान कार्यकारिणी को कोरोना संक्रमण व लॉकडाउन के चलते हिदायत दी कि भारत सहित पूरे विश्व में कोरोना महामारी का प्रकोप है और लॉकडाउन के कारण चुनाव प्रक्रिया नहीं हो सकती। इस स्थिति को देखते हुए बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्तमान कार्यकारिणी 6 महीने तक कार्यभार संभालेगी। प्रधान सुरेंद्र सिंह कांगड़ा ने कहा कि जैसे ही स्थिति सामान्य होगी यूनियन का चुनाव करवा दिया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से प्रधान सुरेंद्र कागड़ा, छत्तरपाल अठवाल, पवन कुमार, रोज आनंद, परमा भगत, चंदा देवी, आशा रानी, सरला देवी, दर्शना देवी सहित अनेक सदस्य व कर्मचारी मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 16.07.2020 | 04 | 08 |

# एचएयू के कैंपस स्कूल का परीक्षा परिणाम शानदार

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के कैंपस स्कूल का 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। विद्यालय के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एसके ठकराल ने बताया कि विज्ञान संकाय में कुल 45 बच्चों में से 30 बच्चों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय में प्रथम रहे चिराग चहल ने 96 प्रतिशत अंक व द्वितीय स्थान पर भव्या ने 95.6 प्रतिशत अंक व तृतीय स्थान पर निधि सिंह ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरि भूमि | 16.07.2020 | 12 | 01-04 |

# बिजनेस आइडिया हकृवि एबिक सेंटर से करें शेयर, लाखों का इनाम पाएं

- हकृवि एबिक सेंटर ने युवा व किसानों से मांगे बिजनेस आइडिया के लिए आवेदन, 5 से 25 लाख का मिल सकता है अनुदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया आपके पास है तो आप इसे हकृवि एबिक सेंटर के साथ शेयर करें। हकृवि में नाबार्ड तथा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित एबिक केंद्र के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा दी जाएगी। इसके लिए एबिक की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन करना है। यह शुरूआत युवाओं, किसानों व उद्यमियों के लिए इस सेंटर के माध्यम से मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम देने के लिए की गई है। इसके लिए पहल तथा सफल नाम से दो प्रोग्राम शुरू किए गए हैं, जिसमें पहल प्रोग्राम में 5 लाख रुपये जबकि सफल प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। विश्वविद्यालय में इस सेंटर की स्थापना वर्ष 2019 में नाबार्ड तथा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत की गई है।

### पहल प्रोग्राम के तहत दी जाएगी ट्रेनिंग

पहल प्रोग्राम के तहत खेती व खेती संबंधित कोई नया प्रोडक्ट, नई तकनीक तथा आपूर्ति सेवाओं पर कोई नया आइडिया जो किसी समस्या का समाधान करने के साथ समुदाय की जरूरत भी हो। इस कार्यक्रम के तहत चयनित आवेदकों को दो महीने दस हजार रुपए प्रति माह मेहनताना का आवासीय प्रशिक्षण, बिजनेस व तकनीकी मेंटरिंग तथा 5 लाख रुपये तक की अनुदान राशि का प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसकी सहायता से वह अपना प्रोडक्ट व तकनीक का प्रोटोटाइप तैयार करके बाजार में व्यवसाय के रूप में स्थापित कर सकता है।

### सफल कार्यक्रम के मुख्य बिंदू

सफल कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए खेती व खेती से संबंधित उत्पाद या तकनीकी यंत्र व आपूर्ति सेवाओं का प्रोटोटाइप-मिनीमम वायबल प्रोडक्ट व व्यावसायीकरण के लिए पहले से पूरी तरह तैयार होना चाहिए। इसमें आवेदन करने वाले को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसका यह उत्पाद,तकनीक, आपूर्ति सेवाएं पहले से ही बाजार में स्थापित हों।

### इन क्षेत्र से हो आइडिया

मुख्य आइडिया एग्री बॉयोटैक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृखंला प्रबंधन, कटाई व कटाई के बाद की प्रक्रिया, खाद्य प्रक्रिया एवं मूल्य संवर्धन, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमता का विशेष ध्यान रखना होगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 16.07.2020 | 02 | 03-05 |

# हकृवि के एबिक सैंटर ने युवा व किसानों से मांगे बिजनैस आइडिया के लिए आवेदन

हिसार, 15 जुलाई (ब्यूरो): अगर आपके पास कोई बिजनैस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो ये आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (रफ्तार) के तहत स्थापित एबिक केंद्र के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वैबसाइट पर जाकर ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन करना है। यह शुरूआत युवाओं, किसानों व उद्यमियों के लिए इस सैंटर के माध्यम से मार्कीटिंग, नैटवर्किंग, लाईसैंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटैंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम देने के लिए की गई है।

**नौकरी खोजने की बजाय बन सकते हैं नौकरी देने वाले :** इस स्कीम के प्रिंसीपल इन्वैस्टीगेटर डॉ. आर.के. झोरड़ के अनुसार युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर है। इस सैंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं। एबिक सैंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्टअप को 2 महीने के प्रशिक्षण के दौरान बिजनैस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सभी प्रयोगशालाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक ने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सैंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसैसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकेजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 16.07.2020 | 01 | 02-03 |

# पूर्व छात्र रहे प्रो. सुमेर सिंह को हिसार कृषि विश्वविद्यालय के वीसी का अतिरिक्त कार्यभार

प्रो. सुमेर सिंह

हिसार। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एचएयू के पूर्व छात्र प्रो. सुमेर सिंह को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। प्रो. सुमेर सिंह 17 साल की उम्र से एचएयू से जुड़े हुए हैं। वे यहीं के छात्र रहे, यहीं पर नौकरी की और इसी विश्वविद्यालय के करनाल स्थित क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान करनाल के निदेशक रहते रिटायर्ड हुए। करीब छह माह पहले ही उन्हें बागवानी विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया था। साधारण व्यक्तित्व वाले प्रो. सुमेर सिंह करनाल के ही रहने वाले हैं और देश के वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की बुधवार को चंडीगढ़ में हुई बैठक में प्रो. सुमेर सिंह को कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार देने पर मोहर लगी। इस बैठक में चीफ सेक्रेटरी केशनी आनंद अरोड़ा, वित्त और कृषि के अतिरिक्त मुख्य सचिव सहित अन्य उच्च अधिकारी व सदस्य शामिल रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 16.07.2020 | 03 | 03 |

# एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे बिजनेस आइडिया के लिए आवेदन

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के एबिक सेंटर ने युवा व किसानों से बिजनेस आइडिया आमंत्रित किए हैं। इसके तहत खेती व खेती संबंधित कोई नया प्रोडक्ट, नई तकनीक व आपूर्ति सेवाओं पर कोई नया आइडिया जो किसी समस्या का समाधान करने के साथ-साथ समुदाय की जरूरत भी हो। इस कार्यक्रम के तहत चयनित आवेदकों को दो महीने दस हजार रुपये प्रति माह मेहनताना का आवासीय प्रशिक्षण, बिजनेस व तकनीकी मेंटरिंग और पांच लाख रुपये तक की अनुदान राशि का प्रस्ताव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा। इसकी सहायता से वह अपना प्रोडक्ट व तकनीक का प्रोटोटाइप तैयार करके बाजार में व्यवसाय के रूप में स्थापित कर सकता है। आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन या ऑफलाइन भेजना है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक ने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 16.07.2020 | 01 | 01 |

# एचएयू सफाई कर्मचारी यूनियन का चुनाव टला

**हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सफाई कर्मचारी यूनियन हिसार की एक बैठक प्रधान सुरेंद्र कागड़ा की अध्यक्षता में हुई, जिसमें सभी पदाधिकारियों व सलाहकारों ने भाग लिया। यूनियन के महासचिव छतरपाल अठवाल ने बैठक में बताया कि वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल 16 मई को समाप्त हो गया था। मगर विवि के कुलपति व सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुरेंद्र मान ने वर्तमान कार्यकारिणी को कोरोना संक्रमण व लॉकडाउन के चलते हिदायत दी कि भारत सहित पूरे विश्व में कोरोना महामारी का प्रकोप है और लॉकडाउन के कारण चुनाव प्रक्रिया नहीं हो सकती। इस स्थिति को देखते हुए बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्तमान कार्यकारिणी छह महीने तक कार्यभार संभालेगी। प्रधान सुरेंद्र सिंह कागड़ा ने कहा कि जैसे ही स्थिति सामान्य होगी यूनियन का चुनाव करवा दिया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से पवन कुमार, रोज आनंद, परमा भगत, चंदा देवी, आशा रानी, सरला देवी, दर्शना देवी आदि मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पांच बजे न्यूज | 15.07.2020 | -- | -- |

# हकृवि में स्थापित एबिक सेंटर ने युवा व किसानों से मांगे बिजनेस आइडिया के लिए आवेदन

**पांच बजे न्यूज**

**हिसार।** अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो ये आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (रफ्तार) के तहत स्थापित एबिक केंद्र के माध्यम से 5 से 25 लाख रूपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ हकृवि व एबिक की वेबसाइट www.hau.ac.in and www. abichauhisar.com पर जाकर ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन करना है। यह शुरूआत युवाओं, किसानों व उद्यमियों के लिए इस सेंटर के माध्यम से मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम देने के लिए की गई है। इसके लिए पहल व सफल नाम से दो प्रोग्राम शुरू किए गए हैं, जिसमें पहल प्रोग्राम में 5 लाख रूपये जबकि सफल प्रोग्राम में 25 लाख रूपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। विश्वविद्यालय में इस सेंटर की स्थापना वर्ष 2019 में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (रफ्तार) के तहत की गई है।

**पहल प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण के समय मिलेगा मेहनताना भी**

इसके तहत खेती व खेती संबंधित कोई नया प्रोडक्ट, नई तकनीक व आपूर्ति सेवाओं पर कोई नया आइडिया जो किसी समस्या का समाधान करने के साथ-साथ समुदाय की जरूरत भी हो। इस कार्यक्रम के तहत चयनित आवेदकों को दो महीने दस हजार रूपये प्रति माह मेहनताना का आवासीय प्रशिक्षण, बिजनेस व तकनीकी मेंटरिंग तथा 5 लाख रूपये तक की अनुदान राशि का प्रस्ताव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा। इसकी सहायता से वह अपना प्रोडक्ट व तकनीक का प्रोटोटाइप तैयार करके बाजार में व्यवसाय के रूप में स्थापित कर सकता है।

**सफल कार्यक्रम के मुख्य बिंदू**

सफल कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए खेती व खेती से संबंधित उत्पाद या तकनीकी यंत्र व आपूर्ति सेवाओं का प्रोटोटाइप/मिनीमम वायबल प्रोडक्ट व व्यावसायीकरण के लिए पहले से पूरी तरह तैयार होना चाहिए। इसमें आवेदन करने वाले को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसका यह उत्पाद/तकनीक/ आपूर्ति सेवाएं पहले से ही बाजार में स्थापित हों। इस कार्यक्रम के तहत चयनित आवेदकों को दो महीने का आवासीय प्रशिक्षण, बिजनेस व तकनीकी मेंटरिंग तथा 25 लाख रूपये तक की अनुदान राशि का प्रस्ताव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा। इस अनुदान राशि की सहायता से वह अपने व्यवसाय को ब्रांड के रूप में आगे बढ़ा सकता है।

**आवेदन से पहले इन बातों का रखना होगा ध्यान**

आवेदन की प्रक्रिया निःशुल्क होगी। आवेदन करने वाला प्रदेश या फिर निकटवर्ती राज्य का होना जरूरी है, जो हरियाणा में आकर अपना व्यवसाय स्थापित करने का इच्छूक हो। इसके अलावा आवेदन करने वाले का मुख्य आइडिया एग्री बॉयोटैक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृखंला प्रबंधन, कटाई व कटाई के बाद की प्रक्रिया, खाद्य प्रक्रिया एवं मूल्य संवर्धन, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमता इत्यादि का विशेष ध्यान रखना होगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स | 15.07.2020 | -- | -- |

# हरियाणा कृषि विवि में स्थापित एबिक सेंटर ने युवा व किसानों से मांगे बिजनेस आइडिया के लिए आवेदन

**सिटी पल्स न्यूज़, हिसार।** अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो ये आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (रफ्तार) के तहत स्थापित एबिक केंद्र के माध्यम से 5 से 25 लाख रूपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व एबिक की वेबसाइट www.hau.ac.in and www.abichauhisar.càæm पर जाकर ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन करना है। यह शुरूआत युवाओं, किसानों व उद्यमियों के लिए इस सेंटर के माध्यम से मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम देने के लिए की गई है। इसके लिए पहल व सफल नाम से दो प्रोग्राम शुरू किए गए हैं, जिसमें पहल प्रोग्राम में 5 लाख रूपये जबकि सफल प्रोग्राम में 25 लाख रूपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। विश्वविद्यालय में इस सेंटर की स्थापना वर्ष 2019 में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (रफ्तार) के तहत की गई है।

### सफल कार्यक्रम के मुख्य बिंदू

सफल कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए खेती व खेती से संबंधित उत्पाद या तकनीकी यंत्र व आपूर्ति सेवाओं का प्रोटोटाइप/मिनीमम वायबल प्रोडक्ट व व्यावसायीकरण के लिए पहले से पूरी तरह तैयार लेना चाहिए। इसमें आवेदन करने वाले को यह सुनिश्चित करना लेगा कि उसका यह उत्पाद/तकनीक/आपूर्ति सेवाएं पहले से ही बाजार में स्थापित हों। इस कार्यक्रम के तहत चयनित आवेदकों को दो महीने का आवासीय प्रशिक्षण, बिजनेस व तकनीकी मेंटरिंग तथा 25 लाख रूपये तक की अनुदान राशि का प्रस्ताव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा। इस अनुदान राशि की सहायता से वह अपने व्यवसाय को ब्रांड के रूप में आगे बढ़ा सकता है।

### नौकरी खोजने की बजाय बन सकते हैं नौकरी देने वाले

इस स्कीम के प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर डॉ. आर.के. ज़ोरड़ के अनुसार युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते है। एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्टअप्स को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान बिजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सभी प्रयोगशालाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी।

**पहल प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण के समय मिलेगा मेहनताना**

इसके तहत खेती व खेती संबंधित कोई नया प्रोडक्ट, नई तकनीक व आपूर्ति सेवाओं पर कोई नया आइडिया जो किसी समस्या का समाधान करने के साथ-साथ समुदाय की जरूरत भी हो। इस कार्यक्रम के तहत चयनित आवेदकों को दो महीने दस हजार रूपये प्रति माह मेहनताना का आवासीय प्रशिक्षण, बिजनेस व तकनीकी मेंटरिंग तथा 5 लाख रूपये तक की अनुदान राशि का प्रस्ताव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा। इसकी सहायता से वह अपना प्रोडक्ट व तकनीक का प्रोटोटाइप तैयार करके बाजार में व्यवसाय के रूप में स्थापित कर सकता है।

**आवेदन से पहले इन बातों का रखना होगा ध्यान**

आवेदन की प्रक्रिया निःशुल्क होगी। आवेदन करने वाला प्रदेश या फिर निकटवर्ती राज्य का होना जरूरी है, जो हरियाणा में आकर अपना व्यवसाय स्थापित करने का इच्छुक हो। इसके अलावा आवेदन करने वाले का मुख्य आइडिया एग्री बॉयोटैक, बागवानी, जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि अभियांत्रिकी, खेती मशीनीकरण, कम खर्च में अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृखंला प्रबंधन, कटाई व कटाई के बाद की प्रक्रिया, खाद्य प्रक्रिया एवं मूल्य संवर्धन, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमता इत्यादि का विशेष ध्यान रखना होगा।

**अनुदान राशि व प्रशिक्षण के लिए ये होगी चयन प्रक्रिया**

आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन या ऑफलाइन भेजना है। इसके बाद उस आइडिया का इंक्युबेशन कमेटी द्वारा स्क्रीनिंग के माध्यम से दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। इसके अलावा प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा व अंतिम फैसला भी मंत्रालय का ही होगा।

**आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निभाएगा अहम् भूमिकाः डॉ. एस.के. सहरावत**

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक ने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (रफ्तार) के तहत पहल व सफल 2020 नाम से प्रोग्राम लांच करके आवेदन मांगे गए हैं।